B A Sem-V

Nature of Social Philosophy :-

सामाजिक दर्शन, मानव समाज, सामाजिक संबंधो, संस्थाओं और मूल्यों का दार्शनिक अध्ययन है जो समाज के मूल स्वरूप और आदर्शों का विश्लेषण करता है।

- समाजिक दर्शन का स्वरूप - दार्शनिक और अनुमानिक: यह केवल सामाजिक घटनाओं का तथ्यात्मक दर्शन नहीं करता बल्कि उनके मूल में छिपे सत्यों और आदर्शों की मीमांसा करता है।
- आलोचनात्मक और रचनात्मक: यह मौजूदा सामाजिक मान्यताओं, प्रथाओं और कानूनों की समीक्षा करता है तथा समाज को बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव देता है।
- ~~मूल्य~~ मूल्यात्मक: यह न्याय, स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों के आधार पर सामाजिक व्यवस्था का मूल्यांकन करता है
- मानव स्वभाव का अध्ययन: यह न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों के आधार पर सामाजिक व्यवस्था का मूल्यांकन करता है।

B.A sem - V

— समन्वयकारी :- यह समाज विज्ञानों के निष्कर्षों से आगे बढ़कर एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।